सहकारी आंदोलन
(Co-operative Movement)

सहकारिता सामाजिक-आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण आधार है। यह **'एक सबके लिए, सब एक के लिए'** के मूल सिद्धांत पर आधारित है। सहकारिता आंदोलन **'सदस्यों का सदस्यों द्वारा'** संचालित कार्यक्रम है।

- राजस्थान राज्य में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत **1904 में अजमेर** में हुई।
- **1953** में विभिन्न सहकारी कानूनों में एकरूपता के उद्देश्य से **'राजस्थान सहकारी समितियाँ अधिनियम'** पारित किया गया। वर्तमान में **14 नवम्बर, 2002 को नया सहकारी अधिनियम, 2001** लागू किया गया है।
- नैफेड द्वारा भरतपुर में राज्य के सहकारी क्षेत्र के पहले **जीवाणु खाद** के कारखाने की स्थापना की गई है।
- सहकारी शीत भंडार जयपुर व अलवर में, ईसबगोल का कारखाना आबूरोड़ में तथा जयपुर में बर्फ का कारखाना सहकारी क्षेत्र में संचालित किए जा रहे हैं।

सहकारी विकास के नवीन प्रयास

- **सहकारी समितियाँ:** राजस्थान में कुल 34418 सहकारी समितियाँ कार्यरत हैं। इसके अलावा राज्य स्तर पर 21 शीर्ष सहकारी संस्थाएँ (फैडरेशन), जिला स्तर पर 31 केन्द्रीय सहकारी बैंक, 21 जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ, 37 उपभोक्ता हॉलसेल भण्डार, 36 प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक संचालित हैं।

  केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा वर्ष 2016-17 में 23.32 लाख कृषकों को 13540.46 करोड़ रु. के ऋण वितरित किये गये तथा 2017-18 (दिसम्बर 2018 तक) में 22.13 लाख कृषकों को 11747.62 करोड़ रु. के अल्पकालीन फसली ऋण वितरित किये गये।
- **सहकारी बैंकों को रिजर्व बैंक से लाइसेंस:** राज्य के 29 केन्द्रीय सहकारी बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक से बैंकिंग लाइसेंस प्राप्त हो गया है।
- राज्य में 1998-99 में प्रारंभ **सहकारी किसान क्रेडिट कार्ड योजना** में अक्टूबर 2017 तक 34.24 लाख किसानों को क्रेडिट कार्ड जारी किये जा चुके हैं।
- राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम 2003 में संशोधन कर 10 जुलाई, 2017 से सहकारी संस्थाओं में संचालक मंडल में निर्वाचन हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता का प्रावधान किया गया है।

  राजस्थान के सहकारी साख क्षेत्र के किसान क्रेडिट कार्ड धारक सदस्यों के लिए SBI इंश्योरेंस कम्पनी एवं शीर्ष बैंक के मध्य समझौता अनुसार ऋणी सदस्य का 8.81 /- रु. (मय सेवा कर) प्रति हजार प्रति वर्ष प्रीमियम राशि पर 10 लाख रु. तक का बीमा किया जाता है।
- **4 अक्टूबर, 2016 से राजस्थान सहकारी सोसायटी (संशोधन) अधिनियम, 2016 लागू किया गया है।**

  इस अधिनियम के प्रमुख प्रावधान इस प्रकार हैं-

  1. *पंचायती राज चुनाव की तर्ज पर सहकारी संस्थानों के **चुनाव में शैक्षणिक योग्यता लागू** की गई है। इसके द्वारा राजस्थान भारत का पहला प्रदेश बना है, जिसकी सहकारी समितियों के चुनाव में शैक्षणिक योग्यता का प्रावधान किया गया है।*
  2. ***कार्मिकों की भर्ती के लिए बोर्ड के गठन का प्रावधान**-राजस्थान देश का पहला राज्य होगा जिसकी सहकारी समितियाँ कार्मिकों की भर्ती के लिए भर्ती बोर्ड का गठन करेंगी जिसके द्वारा मुख्य सहकारी समितियों के कार्मिकों की भर्ती की जाएगी।*
  3. ***अब संचालक मंडल का कोई भी सदस्य लगातार दो कार्यकाल से अधिक सदस्य नहीं बन सकेगा।** लगातार दो कार्यकाल के पश्चात् संचालक मंडल की सदस्यता के लिए एक कार्यकाल का अंतराल आवश्यक होगा। इससे सहकारी समितियों में गिने चुने प्रभावशाली लोगों का ही एकाधिपत्य रहने की प्रवृत्ति समाप्त होगी।*
  4. ***राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्ति :** संसद का कोई सदस्य या राज्य विधानमंडल का कोई सदस्य या किसी जिला परिषद का प्रमुख या उपप्रमुख या किसी पंचायत समिति का प्रधान या उपप्रधान या किसी ग्राम पंचायत का सरपंच या उप सरपंच या किसी नगरपालिका अथवा स्थानीय निकाय का अध्यक्ष या उपाध्यक्ष किसी सहकारी सोसायटी का अध्यक्ष या उपाध्यक्ष नहीं बन सकेगा। इससे सहकारी सोसायटियों को राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्ति मिल सकेगी।*

Scanned with CamScanner

- राज्य सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को सहकारी बैंकों के 'भामाशाह को-ब्रांडेड रुपे कार्ड' की सौगात दी गई है – 13 दिसम्बर, 2015 को
- सहकारिता क्षेत्र में देश का पहला प्रदेश कौनसा है जहाँ ग्राम स्तर पर भुगतान सुविधा के लिए फाइनेंसियल इन्क्लूजन गेटवे तैयार करवाया गया हैं – राजस्थान
- अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस है – 2 जुलाई

◈ **प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में पहला सहकारी मिनरल वाटर प्लांट :** सूरतगढ़, श्रीगंगानगर की 24 एपीडी ग्राम सेवा सहकारी समिति ने प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में पहला सहकारी मिनरल वाटर प्लांट स्थापित किया हैं।

◈ राजस्थान में कृषकों को साख उपलब्ध कराने हेतु व्यवस्था अग्रानुसार अपनाई गई है :-

सहकारी साख

(अ) अल्पकालीन व मध्यमकालीन साख (त्रिस्तरीय व्यवस्था)

(i) शीर्ष स्तर पर – राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (APEX Bank) जयपुर

(ii) जिला स्तर पर- केन्द्रीय सहकारी बैंक (31 बैंक)

(iii) प्राथमिक स्तर पर – प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियाँ (PACS)

(ब) दीर्घकालीन साख (द्विस्तरीय व्यवस्था)

(i) शीर्ष स्तर पर- राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक

(ii) प्राथमिक या जिला स्तर पर – प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक (कुल 36 बैंक)

विभिन्न सहकारी संस्थाएँ

- **राजस्थान सहकारी क्रय विक्रय संघ (RAJ FED)** – कृषकों को उन्नत कृषि आदानों की आपूर्ति करने एवं उन्हें उपज का उचित मूल्य दिलाने हेतु 26 नवम्बर, 1957 को जयपुर में गठित विपणन सहकारिता की शीर्ष स्तरीय संस्था
- **राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ** – उपभोक्ता सामग्री उचित कीमतों पर उपलब्ध कराने हेतु 27 मार्च,1967 को जयपुर में गठित शीर्ष स्तरीय संस्था।
- **राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान जयपुर (RICEM: Rajasthan Institute of Cooperative Education & Management)** – सहकारिता से संबंधित सरकारी व गैर सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने व अनुसंधान केन्द्र की सुविधाएँ प्रदान करने हेतु एक अप्रैल, 1994 को जयपुर में गठित।
- **महिला मिनी बैंक** – इसमें महिला ग्राम सेवा सहकारी समितियों को मिनी बैंक के रूप में विकसित किया जाता है, जिसमें सदस्य महिलाएँ अपनी छोटी-छोटी बचतें जमा कराती हैं। इस योजना की शुरूआत **17 जनवरी, 2001** को जालौर के **आकोली ग्राम** में हुई। वर्तमान में राज्य में **40 महिला मिनी बैंक** कार्यरत है।
- **महिला नागरिक सहकारी बैंक** – महिला नागरिक सहकारी बैंक महिलाओं के लिए महिला द्वारा संचालित नागरिक बैंक है। राज्य में **6 महिला नागरिक सहकारी बैंक**-उदयपुर (2), जयपुर (2), कोटा व भीलवाड़ा में स्थित है। प्रथम बैंक जयपुर में **राजपुताना महिला नागरिक सहकारी बैंक** के नाम से 30 अगस्त, 1995 को गठित किया गया।

Scanned with CamScanner

♦ किस वर्ष को 'सहकारी शताब्दी वर्ष' के रूप में मनाया गया?
(1) वर्ष 2003 को (2) वर्ष 2009 को
(3) वर्ष 2004 को (4) वर्ष 2005 को (3)
[पटवारी परीक्षा, 2011]

♦ सहकारी साख समितियों का ढाँचा है- *[पटवारी परीक्षा, 2011]*
(1) द्विस्तरीय (2) त्रिस्तरीय
(3) पंचस्तरीय (4) उक्त कोई नहीं (2)

♦ ग्राम सेवा सहकारी समिति द्वारा एक ही स्थान पर सभी प्रकार के ऋणों को उपलब्ध करवाने वाली योजना है-
(1) एकलव्य योजना (2) क्रैफी कार्ड योजना
(3) मांडा योजना (4) भीनमाल योजना (2)
[पटवारी परीक्षा, 2011]

♦ राजस्थान में पहली बार सहकारी समिति विधेयक कब पारित किया गया? *[पटवारी परीक्षा, 2011]*
(1)1953 (2)1954 (3)1955 (4)1956 (1)

♦ राजस्थान में सहकारिता आन्दोलन की शुरूआत कहाँ से हुई?
(1) जयपुर (2) अजमेर
(3) उदयपुर (4) बाँसवाड़ा (2)

♦ विश्व में सहकारिता का प्रारम्भ कहाँ से हुआ?
(1) इंग्लैण्ड (2) जर्मनी (3) फ्रांस (4) रूस (1)

♦ सहकारिता निम्न में से कौनसी सूची का विषय है-
(1) केन्द्र सूची (2) समवर्ती सूची
(3) राज्य सूची (4) इनमें से कोई नहीं (3)

♦ भारत में सहकारिता आन्दोलन की शुरूआत किस उद्देश्य से हुई
(1) बुनकरों को साख सुविधा उपलब्ध कराना
(2) किसानों को कृषि हेतु सरल साख सुविधा उपलब्ध कराना
(3) व्यवसायियों को साख सुविधा उपलब्ध कराना
(4) इनमें से कोई नहीं (2)

♦ राजस्थान में कृषकों को दीर्घकालीन साख उपलब्ध कराने के लिए कैसी व्यवस्था है-
(1) एक स्तरीय (2) द्वि स्तरीय
(3) त्रि स्तरीय (4) बहु स्तरीय (2)

♦ राज्य में कृषि साख की त्रि स्तरीय व्यवस्था के शीर्ष स्तर पर कौनसी संस्था है-
(1) राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (2) केन्द्रीय सहकारी बैंक
(3) प्राथमिक सहकारी बैंक (4) भूमि विकास बैंक (1)

♦ राज्य में कृषि साख की त्रि स्तरीय व्यवस्था के जिला स्तर पर कौनसी संस्था है-
(1) राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक
(2) केन्द्रीय सहकारी बैंक
(3) प्राथमिक सहकारी बैंक
(4) इनमें से कोई नहीं (2)

♦ किस संस्था की सहकारी पशु आहार की उत्पादन इकाई ने गुणवत्ता के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय मानक ISO-9001 प्राप्त कर लिया है-
(1) कानफैड (2) राजफैड
(3) स्पिनफैड (4) राजस संघ (2)

♦ प्रथम सहकारी उपभोक्ता भंडार का गठन कब व कहाँ हुआ-
(1) 1910 में ब्यावर में (2) 1919 में अजमेर में
(3) 1925 में जोधपुर में (4) 1930 में गंगानगर में (2)

♦ राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता सहकारी समितियों की शीर्ष संस्था के रूप में राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता फैडरेशन नई दिल्ली में कब से कार्यरत है-
(1) 16 अक्टूबर, 1965 से (2) 2 दिसम्बर, 1967 से
(3) 15 नवम्बर, 1970 से (4) 14 अगस्त, 1972 से (1)

♦ राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि. की स्थापना कब की गई-
(1) मार्च, 1967 (2) अप्रेल, 1957
(3) दिसम्बर, 1970 (4) अक्टूबर, 1963 (3)

♦ राजस्थान में कृषकों को दीर्घकालीन साख उपलब्ध कराने हेतु राज्य की सर्वोच्च राज्य स्तरीय साख एजेन्सी है-
(1) राजस्थान राज्य सहकारी बैंक
(2) राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक
(3) केन्द्रीय सहकारी बैंक
(4) प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक (2)

♦ राज्य में कृषकों को अल्पकालीन साख सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था कितने स्तरीय है?
(1) द्वि-स्तरीय (2) त्रि-स्तरीय
(3) बहु-स्तरीय (4) एकल स्तरीय (2)

♦ राज्य का प्रथम महिला नागरिक सहकारी बैंक 'राजपुताना महिला नागरिक सहकारी बैंक' 1995 में कहाँ स्थापित किया गया?
(1) जयपुर (2) अजमेर
(3) उदयपुर (4) जोधपुर (1)

♦ राज्य में सहकार जीवन सुरक्षा बीमा योजना कब लागू की गई?
(1) वर्ष 2015-16 से (2) वर्ष 2016-17 से
(3) वर्ष 2017-18 से (4) वर्ष 2014-15 से (2)

♦ राज. सहकार व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना किस वर्ष से लागू की गई है?
(1) 2016-17 (2) 2017-18
(3) 2015-16 (4) 2014-15 (1)

♦ केन्द्रीय सहकारी बैंक निम्नलिखित में किस स्तर पर कार्यरत है-
(1) ग्राम स्तर पर (2) जिला स्तर पर
(3) राज्य स्तर पर (4) केन्द्रीय स्तर पर (2)

Scanned with CamScanner